भव्य सिंधी चेटी चंड मेले का आयोजन

पिछले दिनों झूलेलाल जी के जन्मदिवस पर राजधानी में भव्य सिंधी चेटी चंड मेले का आयोजन किया गया। दिल्ली के पंजाबी बाग पार्क के नजदीक पुलिस ट्रेनिंग पार्क में आयोजित इस मेले में परमानंद प्यासी (आदिपुर), मंगाराम ग्रुप (अजमेर) के अलावा दिल्ली के अर्थक्वेक डांस ग्रुप और अमित जयसिंघानी के 786 डांस अकादमी से जुड़े सिंधी कलाकारों ने अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा सभी आयु वर्ग के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का विशेष आयोजन किया गया जिसमें युवाओं ने जोर-शोर से हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त सिंधी बाजार, सिंधियत पर झांकियां, सिंधी प्रदर्शनी, बहराणा साहिब, छेज, होजमालो, शहनाई वादन, रोटचटनी प्रसाद का भी लोगों ने जमकर आनंद उठाया। बच्चों ने विशेष तौर पर झूले और घोड़ों की सवारी की।

सिंधी जागृति सभा द्वारा आयोजित इस मेले में गोपी दायलानी, लक्ष्मी चंद मकरानी, कैलाश बालानी, मनोहर जी. बालवानी, विजय मांगानी, गोपी चंद रूघवानी, डी. के. आर्य, राज्यसभा सांसद राम जेठमलानी, अर्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास गुप्ता, शक्तिभोग के सीएमडी के.के. कुमार, एकता मिशन के पवन मोंगा, नार्थ दिल्ली पंजाबी सोसाइटी के अध्यक्ष जवाहर लूथरा, पंजाबी सेवा समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र बतरा, आनंद दहिया, रमेश आहुजा, राजेश जी, हैप्पी दलियानी, संजय मलिक समेत बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। ● फीडे

‘तिहाड़ आइडल’

तिहाड़ के कैदियों को मिला नया मंच

हाल ही में तिहाड़ जेल के कैदियों के लिए ‘तिहाड़ आइडल’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से तिहाड़ के कैदियों ने अपनी कला प्रतिभा दुनिया के सामने प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरूआत राहुल और सूरज द्वारा विशेष रूप से तैयार गीत की प्रस्तुति से हुई।

इंडियन आइडल के अनुज शर्मा, सारेगामा से शाहीन सलमानी, रोनिका जैकब के द प्लेनेट डांस ट्रूप के नन्हें मास्टर सागर गुप्ता ने भी अपनी रंगारंग प्रस्तुति दी। तिहाड़ के चार कैदियों ने भी प्रस्तुति दी जिनमें पुरुषोत्तम, रविंदर, सैंडी और रविंदर छोटेलाल शामिल हैं। पुरुषोत्तम और रविंदर ने गीत गाया। सैंडी ने पंजाबी गीत गाया और रविंदर छोटेलाल ने तमिल गीत पर बहुत सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन म्यूजिक कंपनी म्यूजिक वन रिकार्ड्स और आर.वी.पी. सूरज के द्वारा किया गया जिसमें कला संस्कृति को समर्पित संस्था परिधि आर्ट ग्रुप ने भी सहयोग किया। इस कार्यक्रम को आर्ट क्रिएशंस के नरेश सैन बेंसला और टीना शर्मा द्वारा निर्देशित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में तिहाड़ के डीजी नीरज कुमार एवं डीआईजी आर. एन. शर्मा भी उपस्थित थे। ● फीडे

बांसुरी और हवेली संगीत की स्वर लहरियां

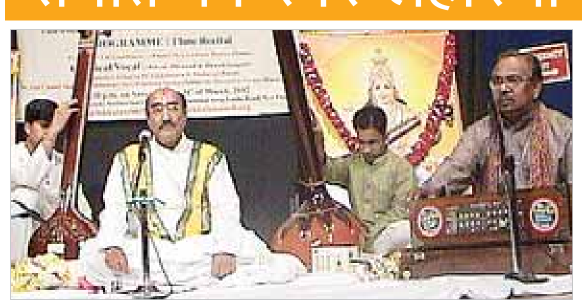

दिल्ली के लोधी रोड स्थित बासुकी सभागार में लोक कला मंच, गांधी हिन्दुस्तानी साहित्य सभा और ब्रज संस्कृति एवं विकास संस्थान, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में संगीत महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें ख्यातिलब्ध बांसुरी वादक पंडित सुंदर लाल गंधर्व का सुमधुर बांसुरी वादन एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के गायक पंडित गोकुलोत्सवजी महाराज के आकर्षक गायन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति में पंडित सुंदर लाल गंधर्व ने राग यमन की सिलसिलेवार एवं आकर्षक बढ़त करते हुए सुन्दर आलाप एव दो बंदिशें प्रस्तुत कीं। प्रथम बंदिश विलंबित एकताल में तथा द्रुत बंदिश तीनताल में निबद्ध थी।

बांसुरी पर सौभाग्य गंधर्व और तबले पर गौतम विश्वास ने बड़ी कुशलता से उनका साथ दिया।

दूसरी प्रस्तुति में पंडित गोकुलोत्सवजी महाराज ने राग शंकरा की सुंदर अवतारणा करते हुए तीन बंदिशें प्रस्तुत कीं। प्रथम बंदिश विलंबित झूमरा में ‘ऐ हो महान’ दूसरी बंदिश तीनताल में ‘द्रगन लगे हरि संग’ तथा तीसरी बंदिश द्रुत एकताल में निबद्ध थी बोल थे ‘झूम झूम आवो’ बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत की। उसके बाद उन्होंने हवेली संगीत की अनेकों पारंपरिक रचनाएं प्रस्तुत की जिनमें आसा तोड़ी राग में आदिताल में निबद्ध ‘चले री गोपाल’, लंकदहन सारंग में ध्रुपद अंग की आदिताल की रचना, धवलधनाश्री में होलीपद, राग मालव में हवेली पद रचना प्रमुख रहे। उन्होंने गायन का समापन अपने सुपुत्र ब्रजरंग पिया द्वारा रचित भजन से किया। उनका साथ तबले पर प्रदीप सरकार एवं हारमोनियम पर संगत पं. देवेन्द्र वर्मा ने दी। ● फीडे

सुर संगम में गूंजी भारतीय शास्त्रीय संगीत की तान

हाल ही में राजधानी में दो दिवसीय शास्त्रीय महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें उस्तादों ने शास्त्रीय संगीत की स्वर लहरियां बिखेर का श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पहले दिन इस उत्सव में पंडित जसराज एवं उस्ताद शाहिद परवेज़ खान ने बेहतरीन पेशकश देकर अपनी प्रतिभा का अनुभव करवाया। इटावा घराने की सातवीं पीढ़ी के उस्ताद शाहिद परवेज खान ने राग झिंझोटी में आलाप जोड़ झाला में पहले विलंबित में तीन ताल, बाकि दो ताल लुप्त में श्रोताओं के समक्ष पेश किया। उसके बाद उन्होंने राग पहाड़ी का बेहतरीन मुजाहिरा पेश किया। हिन्दी प्रार्थना मंगलम भगवान विष्णु के साथ पंडित जसराज ने कार्यक्रम की शुरूआत की। फिर अब थारो बिन कुन्ना रखे मोहे जैसी रचनाओं के साथ उन्होंने इस संध्या में चार चांद लगा दिए। दूसरे दिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया एवं हिंदुस्तानी गायक उस्ताद रशीद खान ने अपनी कला का अनमोल प्रदर्शन किया। राग मधुवंती एवं राग पहाड़ी के माध्यम से पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने श्रोताओं को अपना कायल बना दिया। बांसुरी के मधुर स्वर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने में हर मोड़ पर सफल रहे। उस्ताद राशिद खान ने भजन

राधा ब्रिज को चली, प्रभु आवन की मन भावन की जैसी रचनाओं से समां बांध दिया। इस मौके पर पंडित जसराज ने कहा कि भगवान हर जगह मौजूद है, इंसान तो केवल शरीर है परंतु हर एक शारीरिक क्रिया ऊपर वाले के हाथों में है, उसकी महिमा अपरंपार है। एलएनजे भीलवाड़ा समूह की ओर से दिल्ली के कमानी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में समूह के चेयरमैन रवि झुनझुनवाला ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना और इसे बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से हम भावी पीढ़ी को भी संदेश देना चाहते हैं कि वे अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ें। ● फीडे

आधुनिकता और पौराणिकता का बेहतरीन समावेश

मानव स्वछंदता से प्रेम करता है, अपनी स्वतंत्रता से प्रेम करता है, अपने इर्द-गिर्द हो रहे सरोकारों से प्रेम करता है। इंसानी जीवन के विविध आयामों को खूबसूरती से कला के माध्यम से पेश किया है युवा एवं प्रतिभाशाली कलाकार विम्मी इंद्रा ने, जिनकी बनाई पेंटिंग्स इन दिनों राजधानी के त्रिवेणी कला संगम में लगी हुई हैं। पटना निवासी विम्मी बताती हैं कि रंगों की मदद से हम इंसानी जज्बातों को कैनवस में उतारने का प्रयास करते हैं। सभी रंग किसी न किसी रूप में मानव जीवन के विविध आयामों को प्रकट करते हैं, यही वजह है कि मैंने चटख रंगों का प्रयोग किया है। उनका कहना है कि मेरा कांसेप्ट एक आदर्श समाज और शहर का है जिसमें कोलाहल न हो, लेकिन भारतीय समाज को प्रतिबिंबित जरूर करता हो, इसी को कला के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया है।

इस कला का श्रेय वह अपनी गुरु अंजली इला मेनन को देती हैं जिनके मार्गदर्शन में वह पिछले चार वर्षों से कला की बारीकियां सीख रही हैं। विम्मी के अनुसार कला आपके आंतरिक मन की व्याख्या है जिसकी परिकल्पना एक कलाकार करता है। यहां उनकी 24 कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है जिसमें आपको आदर्श भारतीय समाज की छाप दिखेगी जिसमें आधुनिकता और पौराणिकता का समावेश है। इसके उद्घाटन के मौके पर अंजली इला मेनन, ओ.पी. शर्मा, सुनयना आनंद सहित बड़ी संख्या में कलाप्रेमी उपस्थित थे। ● फीडे

सितार वादन और धावनी की कथक के सुरमयी संगम

दिल्लीवासी के लिए गुडफ्राइडे की शाम खास एवं संगीत के सुरमयी संगम से सराबोर होगी। गीत संगीत और नृत्य का ऐसा अद्भुत संगम बहुत कम देखने को मिलता है। दिल्ली के सत्य साईं सभागार में ली-रिद्म संस्था के सौजन्य से ‘ग्लोरीज आफ इंडियन कल्चर’ नामक संगीतमय संध्या का आयोजन किया जा रहा है जिसमें संगीत व नृत्य प्रेमी एक साथ सुर संगीत और नृत्य का आनंद लेंगे। जानी-मानी गायिका रिनी मुखर्जी अपनी गायिकी से जहां समां बांधेंगी, वहीं सुप्रसिद्ध सितार वादक पद्मभूषण पंडित देबू चौधरी के सितार वादन और धावनी की कथक नृत्य पर भी संगीतप्रेमी मंत्रमुग्ध होंगे। गायिका रिनी मुखर्जी की गायिकी व कथक के कोरियोग्राफी पर तैयार यह कार्यक्रम गीत संगीत व नृत्य का एक ऐसा फ्यूजन लोगों के सामने पेश करेगा, जिसे संगीत प्रेमी काफी दिनों तक याद रखेंगे। ● फीडे

सौंदर्य के क्षेत्र में नए तौर-तरीकों की जानकारी

ऑक्सीजन थैरेपी, एएचए और बीएचए थैरेपी, अल्ट्रा लाइफ फेशियल्स, सल्फर कुलिंग थैरेपी, चैमोमाइल स्मूथिंग फेशियल, ये सभी आधुनिक स्किन केयर के तरीके हैं जिस पर त्वचा विशेषज्ञ खासा ध्यान दे रहे हैं।

स्किन केयर उत्पादों की नई शृंखला का मुजाहिरा हाल ही में दिल्ली के एक पंचसितारा होटल में किया गया। यहां ब्यूटी एवं स्किन पर सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें इस इंडस्ट्री से जुड़े सैकड़ों एक्सपर्ट ने भाग लिया

और यहां त्वचा विशेषज्ञ विनीत कपूर ने लाइव डेमो के जरिए ब्यूटी स्किन केयर के विभिन्न तौर-तरीकों के बारे में लोगों को बताया। इस मौके पर उन्होंने विसैज ब्यूटी हैल्थ केयर की अग्रणी ब्रांड ओ3 प्लस के स्किन केयर उत्पादों को ‘रिइंवेंट योर स्किन’ सेमिनार के जरिए लांच किया। उनके अनुसार ये उत्पाद विशेष तौर त्वचा विशेषज्ञों और त्वचा एवं सौंदर्य थैरेपिस्ट्स द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं। दरअसल इन उत्पादों को विशेष तौर पर अलग-अलग त्वचा के लिए विकसित और डिजाइन किया गया है। ● फीडे

आज का दिन

6 अप्रैल, 2012 दिन शुक्रवार तदनुसार 24 चैत्र सम्वत् 2069 विक्रमी

देसी वर्ष : राष्ट्रीय 17 चैत्र **सम्वत :** 1934 शाक, **स्थिति :** चैत्र पूर्णिमा आज है
ग्रह चाल : चंद्रमा कन्या राशि में है। **सूर्य उदय :** प्रात: 6.15 पर **सूर्य अस्त :** 6.46 शाम को
राहुकाल : दोपहर 10.30 बजे से 12 बजे दोपहर तक
दिशाशूल : पश्चिम एवं नैऋत्य में

विशेष : आज चैत्र पूर्णिमा, श्री हनुमान जयंती (दक्षिण भारत), गुड फ्राइडे, वैशाख स्नान प्रारंभ है।
मार्किट : कोयला, मूंगी, चने, पटसन में मंदा रहेगा।

पं. हरिओम भारद्वाज ज्योतिषी, 228, लाजपत नगर, जालन्धर, मो. 09463283800

राशिफल

मेष मनोकामना पूर्ण होगी, दौड़धूप व चिंता रहेगी, शारीरिक परेशानी बढ़ेगी, नया लेन-देन ध्यान से करें।

वृष सामाजिक कार्यों में लाभ होगा, रुका धन मिलेगा, मनोकामना पूर्ण होगी, यात्रा शुभकारी रहेगी।

मिथुन वाक्पटुता से कार्य होंगे, मित्रों से सहयोग मिलेगा, सरकारी काम बनेंगे, जमीन-जायदाद के काम होंगे।

कर्क यात्रा लाभकारी रहेगी, कारोबार में लाभ होगा, विरोधी शांत होंगे, नया काम बनेगा।

सिंह धन लाभ होगा, जमीन-जायदाद के काम होंगे, मानसिक चिंता हटेगी, यात्रा शुभकारी रहेगी।

कन्या नया काम बनेगा, विरोधी शांत होंगे, मित्रों से सहयोग होगा, रुका काम बनेगा।

तुला मान-सम्मान बढ़ेगा, धन लाभ होगा, गुप्त चिंता बढ़ेगी, बनते काम बिगड़ेंगे।

वृश्चिक यात्रा शुभकारी रहेगी, बिगड़े काम बनेंगे, कारोबार में सुधार होगा, विरोधी शांत होंगे।

धनु जमीन-जायदाद के काम होंगे, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, रुका काम बनेगा, यात्रा शुभकारी रहेगी।

मकर धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी, जमीन-जायदाद के काम होंगे, मान-सम्मान बढ़ेगा, यात्रा ठीक रहेगी।

कुंभ स्वभाव में तेजी रहेगी, दौड़धूप व चिंता बढ़ेगी, मानसिक क्लेश बढ़ेगा, यात्रा ध्यान से करें।

मीन रुका काम बनेगा, मनोकामना पूर्ण होगी, जमीन-जायदाद के काम होंगे, शुभ कामों पर धन खर्च होगा।

‘धार्मिक संस्कारों को जानिए’ पुस्तक का लोकार्पण

विश्वविख्यात भविष्यवक्ता, ज्योतिषाचार्य और आध्यात्मिक योगी पंडित सुरेश श्रीमाली की हिन्द पाकेट द्वारा प्रकाशित पुस्तक ‘धार्मिक संस्कारों को जानिए’ का लोकार्पण दिल्ली के लोधी रोड स्थित इंडिया हैबिटेट सैंटर में किया गया। केंद्रीय संसदीय कार्य एवं जल संसाधन मंत्री पवन कुमार बंसल ने पुस्तक को लोकार्पित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति का ढांचा सोलह धार्मिक संस्कारों से बना है जो हमारी सामाजिक संरचना की बुनियाद है। इसके द्वारा बताए हुए नियमों एवं विधानों पर चलकर ही पवित्र और बेहतर जीवन की कल्पना की जा सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कवि और अभिनेता शैलेष लोढ़ा ने कहा कि जन्म से लेकर मृत्यु तक के संस्कारों के बिना जीवन बेमानी और अधूरा है। श्री लोढ़ा ने कहा कि जिस घर में

संस्कार होता है, वहां सौभाग्य होता है। उन्होंने भावी पीढ़ी की उदासीनता पर कहा कि आज की युवा पीढ़ी सदियों से चली आ रही इन संस्कारों को भूलती जा रही है, हमें उन संस्कारों को पुनर्जीवित करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन संस्कारों को हम खोते जा रहे हैं, युवा पीढ़ी को उन्हीं संस्कारों से जोड़ें। प्रकाशक शेखर मल्होत्रा ने कहा कि मेरे पिता ने मुझे जो संस्कार दिए, उन्हीं संस्कारों पर आधारित पुस्तकों को हम प्रकाशित करते हैं, जिसे घर में मिलजुल कर सभी लोग एक साथ पढ़ें और उससे उन्हें अच्छे संस्कार मिलें। यह पुस्तक उसकी कड़ी हैं। इस मौके पर अनेक बुद्धिजीवी उपस्थित थे। ● फीडे

पर्यावरण संरक्षण की अनोखी पहल

युवा पीढ़ी को स्वच्छ और हरित पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने की दिशा में एक अनोखी पहल की शुरूआत की गई है। प्रोप्लेनेट क्लाइंब्स एवरेस्ट नामक इस अभियान के तहत जाने-माने पर्वतारोही लवराज धर्मशक्तु चौथी बार दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने की तैयारी कर रहे हैं। लव बताते हैं कि इसके लिए उन्होंने 9 महीनों का कड़ा प्रशिक्षण लिया और तकनीकी कौशल का अभ्यास किया। उनकी इस टीम में 21 बार एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले अपा शेरपा (बेस कैंप मैनेजर) के साथ 15 सदस्य होंगे। इस अभियान के बारे में वुडलैंड के एमडी हरकीरत सिंह का कहना है कि माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना हमेशा दुर्गम और चुनौतीपूर्ण रहा है और इस अभियान का उद्देश्य अतीत के कामयाब अभियानों को सम्मानित करना है। उनके अनुसार इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण है, इसलिए वहां गंदगी और कूड़ा-कर्कट को साफ करने की मुहिम में ये पर्वतारोही जुटे रहेंगे। श्री सिंह के अनुसार हमेशा से हम युवा और रोमांचकारी कार्यों में भागीदारी करते आए हैं जिससे लोगों को सामाजिक पहल एवं सामाजिक संदेश के साथ जोड़ना भी है, यह अभियान उसी का एक हिस्सा है। ● फीडे